K18P 0980

Reg. No. : .....

Name : .....

GOVT. BRENNEN COLLEGE CENTRAL LIBRARY THALASSERY

Third Semester M.A. Degree (Reg./Supple./Imp.) Examination, October 2018
HINDI LANGUAGE AND LITERATURE
(2014 Admn. Onwards)
HIN3E04 : Dalit Literature

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. किन्हीं **चार** प्रश्नों की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए। **(4×6=24)**

1) 'अश्वत्थामा को तो दूध की जगह आटा पिलाया गया और हमें चावल का मांड, फिर भी किसी महाकाव्य में हमारा जिक्र क्यों नहीं आया।'

2) 'मेरी तरह ही उसके पत्ते सूखकर झरने लगे थे। सिर्फ बची थी पतली पतली टहनियाँ .... स्कूल के कमरों की खिड़की, दरवाज़ों से मास्टरों और लडकों की आँखें छिपकर तमाशा देख रही थी। मेरा रोम-रोम यातना की गहरी खाई में लगातार गिर रहा था।'

3) 'जब भी कोई आदर्श गुरु की बात करता है तो मुझे वे तमाम शिक्षक याद आ जाते हैं जो माँ-बहन की गालियाँ देते थे।'

4) 'मेरे प्रत्येक प्रश्न पर पता नहीं, आप क्यों परेशान हो जाते हैं, डर क्यों जाते हैं, कहीं आपकी आत्मा के द्वार पर सत्य दस्तखत देनी शुरू कर दी।'

5) 'सच केवल इतना नहीं होता, जितना दिखाई देते।'

6) 'अबे चूहडे का, नए कपडे पहनकर आया है।'

7) 'क्या करोगे स्कूल भेजके या कौवा बी कबी हंस बण सके।'

II. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(4×5=20)**

8) गिरिराज किशोर की रचनागत विशेषताएँ क्या-क्या हैं ?

9) 'शवयात्रा' कहानी का प्रतिपाद्य क्या है ?

P.T.O.

10) 'अघोषित उलगुलान' में अभिव्यक्त दलित चेतना।

11) दलित कहानियों के सन्दर्भ में लिखिए कि ये मनुष्यता का दावा करती है।

12) कँवल भारती की कविता में क्रान्तीकारी भावना।

13) 'सिलिया' कहानी में अभिव्यक्त दलित-चेतना।

III. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×12=36)**

14) समर्थ कीजिए कि 'जूठन' में स्वानुभूत पीडा का मार्मिक चित्रण हुआ है।

15) 'धर्म परिवर्तन' की समीक्षा कीजिए।

16) दलित साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक और साँस्कृतिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

17) दलित साहित्य में अंबेडकर का प्रभाव।

18) दलित आत्मकथाओं में अभिव्यक्त दलित जीवन के दर्द और द्वन्द्व को व्यक्त कीजिए।